संस्कृत-2017(A) (प्रथम पाली)

Time : 3 Hrs. 15 Minutes] [Full Marks : 100

परीक्षार्थी के लिये निर्देश:- पूर्ववत् रहेंगे।

खण्ड 'क' (13 अंका:)

अपठित अवबोधन

1. निम्नलिखित अवतरण को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों का उत्तर लिखें।

तत: पश्चादस्तंगते भगवति मरीचमालिनि तौ मृगस्य वासभूमिं गतौ। तत्र चम्पकवृक्षशाखायां सुबुद्धिनामा काको मृगस्य चिरमित्रं निवसतिस्म। तौ दृष्ट्वा काकोऽवदत्-सखे चित्राङ्ग। कोऽयं द्वितीय:? मृगो ब्रूतो-जम्बकोऽयम्, अस्मत्संख्य मिच्छन् समायात:। काको ब्रूते-मित्र! अकस्मादागन्तुकेन सह मैत्री न युक्ता।

(क) एकपद में उत्तर दें :- 4 × 1

(i) काक: कुत्रवसतिस्म?
(ii) काकस्य किम् नाम अस्ति?
(iii) क: ब्रूते जम्बूकोऽयम्?
(iv) केन सह मैत्री न युक्ता?

(ख) पूर्णवाक्य में उत्तर दें :- 2 × 2 = 4

(i) काक: कस्य मित्रम् अस्ति?
(ii) अकस्मादागन्तुकेन सह का न युक्ता?

(ग) निर्देशानुसार उत्तर दें: 4 × 1 = 4

(i) 'पश्चादस्तंगते' इतिपदस्य सन्धि विच्छेद: विधेय:
(ii) 'भगवति' इति शब्दे का विभक्ति:?
(iii) 'दृष्टवा' इत्यत्र क: प्रत्यय:?
(iv) 'निवसतिस्म' इति क्रियाया: कर्तृपदं लिखत।

(घ) प्रस्तुत गद्यांशस्य समुचितशीर्षकं लिखत। 1

खण्ड 'ख' (15 अंका:)

रचनात्मकं कार्यम् पत्र लेखनम्

2. मंजूषास्थित पदों से रिक्त स्थानों की पूर्ति करें। 3

वाराणसीत:
17/10/16

श्रीमन्त: .....
दयानन्द विद्यालय .....
सम्माननीया :

..... निवेदनम् यत् अहं ..... ज्वराक्रान्तोऽस्मि। अत: विद्यालयम् आगत्य पठितुं ..... असमर्थोऽस्मि। ..... सप्तदिनानाम् अवकाशं .....। आशासे, मदीयं ..... स्वीकृत्य अनुग्रहीष्यन्तीति।

भवच्छिश्य:

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

[प्रधानाध्यापक महोदयः, वाराणसी, निवेदनं, प्रार्थये, दिन चतुष्ठयात्, सर्वथा, एतदर्थं, सविनयम्।]

3. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में सात वाक्यों में अनुच्छेद लिखें:- $1 \times 7 = 7$

(i) पाटलिपुत्रम्। (ii) आदर्शग्रामः।

(iii) सरस्वती पूजा। (iv) होलिकात्सवः।

खण्ड 'ग' (32 अंकाः)

अनुप्रयुक्त व्याकरणम्

4. निर्देशानुसार उत्तर दें :-

(क) सु + आगतम् (सन्धि करें) 1

(ख) चेयनम् (सन्धि विच्छेद करें) 1

(ग) 'आ + इ' के मेल से कौन-सा शब्द बनेगा? 1

(घ) व्यंजन या विसर्ग सन्धि का एक उदाहरण दें। 1

5. (क) 'हरिणा' किस विभक्ति का रूप है? 1

(ख) 'तस्मात्' का मूल शब्द क्या है? 1

(ग) पिता सह पिता गृहं गतः। यहाँ 'पित्रा' में कौन-सी विभक्ति है? 1

(i) प्रथमा (ii) द्वितीया

(iii) तृतीया (iv) चतुर्थी

6. (क) 'अनृत्यत्' का मूल धातु क्या है? 1

(i) नृत् (ii) अनृत्

(iii) अनृत्य (iv) नृत्य

(ख) 'विभेतु' किस लकार का रूप है? 1

(i) लट् (ii) लोट्

(iii) लिट् (iv) लृट्

7. (क) 'समाप्तम्' में कौन सा उपसर्ग है? 1

(ख) किस शब्द में सम् उपसर्ग लगा है? 1

(i) सच्चार (ii) साकार

(iii) सकार (iv) समेकित

8. (क) 'गम् + यत्' के योग से कौन-सा शब्द बनेगा? 1

(i) गम्यम् (ii) गाम्यम्

(iii) गायम् (iv) गयेम्

(ख) 'कुन्ती' में कौन-सी तद्धित प्रत्यय है? 1

(i) अय् (ii) ढ़क्

(iii) अण् (iv) इञ्

9. (क) 'मृग' का स्त्रीलिंग रूप क्या होगा? 1

(i) मृगा (ii) मृगी

(iii) मृगिनी (iv) मृगि

(ख) 'मालिनी' में कौन-सा स्त्री प्रत्यय है? 1

(i) ङीष् (ii) ङीप्

(iii) ङीन् (iv) टाप्

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

10. (क) 'मयूर + अण्' से कौन-सा शब्द बनेगा? 1

(i) मायूरः (ii) मयूरः

(iii) मयूरी (iv) मायूरी

(ख) 'इच्छ् + शतृ' से कौन सा शब्द बनेगा? 1

11. निर्देशानुसार उत्तर दें- 4 × 1 = 4

(क) 'निर्मक्षिकम्' शब्द का विग्रह करें।

(ख) 'दुःखम् अतीतः' का समस्त पद लिखें।

(ग) 'त्रिभुवनम्' में कौन समास है।

(घ) 'बहुव्रीहिः' समास का एक उदाहरण लिखें।

12. (क) 'रूचार्थानां प्रियमाणः' सूत्र का सोदाहरण व्याख्या करें। 2

(ख) 'त्रिभिः वर्षैः अध्ययनं पूर्णम्' इस वाक्य में त्रिभिः में कौन-सी विभक्ति है एवं किस सूत्र के कारण होगा? 2

13. निम्नलिखित में से किन्हीं सात वाक्यों का अनुवाद संस्कृत में करें। 1 × 7 = 7

(क) राजा ब्राह्मण को गाय देता है।

(ख) राम एक आँख का काना है।

(ग) राम स्वभाव से सज्जन है।

(घ) भगवान् के बिना सुख नहीं है।

(ङ) मूर्ख अध्ययन से भागता है।

(च) सीता राम की पत्नी थी।

(छ) पटना का गोलघर प्रसिद्ध है।

(ज) पटना का संग्रहालय दर्शनीय है।

(झ) हमें व्याकरण पढ़ना चाहिए।

(ञ) राम लक्ष्मण एवं सीता के साथ वन गये।

खण्ड 'घ' (40 अंकाः)

पठित अवबोधनम्

14. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं तीन का अनुवाद हिन्दी में करें। 3 × 2 = 6

(क) मुगलवंशकाले अस्य नगरस्य समुद्धारो जातः।

(ख) पंश्चादलसानां सुखं दृष्ट्वा धूर्ता अपि कृत्रिमालस्यं दर्शायित्वा भोजनं गृहणन्ति।

(ग) वैदिकयुगे मन्त्राणां दर्शका न केवलं ऋषयः, प्रत्युत ऋषिकाः अपि सन्ति।

(घ) एवं भारतीय जीवनदर्शनस्य महत्वपूर्ण उपादानं संस्कारः इति।

15. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दें- 4 × 1 = 4

(क) काव्यमीमासानामकं ग्रन्थं कः अलिखत्?

(ख) 'अलसकथायाः रचनाकारः कः?

(ग) जन्मतः पूर्वं कति संस्काराः सन्ति?

(घ) ततः ब्राह्मणरूपेण कः प्रविशति?

16. विद्यापति कौन थे? उन्होंने किस ग्रन्थ की रचना की तथा 'अलस कथा' में किसकी कहानी है? छः वाक्यों में लिखें। 3

17. 'कर्णस्य दानवीरता' पाठ के आधार पर कर्ण का चरित्र चित्रण छः वाक्यों में करें। 3

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

18. निम्नलिखित श्लोकों का अर्थ लिखें- $2 \times 2 = 4$

(क) तत्रज्ञः सर्वभूतानां योगज्ञः सर्वकर्मणाम्।
उपायज्ञो मनुष्याणां नरः पण्डित उच्यते।।

(ख) विचित्रपुलिनां रम्यां हंस सारससेविताम्।
कुसमैरूप संपन्नां पश्च मन्दाकिनीं नदीम्।।

19. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखें- $4 \times 1 = 4$

(क) सत्यधर्माय प्राप्तये किम् अपावृणु?

(ख) 'विशालधारा' का?

(ग) धर्मः केन रक्ष्यते?

(घ) क्षमा कं हन्ति?

20. निम्नलिखित श्लोक की व्याख्या करें:- 3

पतिरेव गतिः स्त्रीणां बालानां जननी गतिः।
नालसानां गतिः काचिल्लोके कारूणिकं विना।।

21. 'व्याघ्रपथिककथा' कहाँ से लिया गया है? इसके लेखक कौन हैं तथा इससे क्या शिक्षा मिलती है? छः वाक्यों में लिखें। 3

22. (क) 'भारतीयसंस्काराः' पाठ के आधार स्पष्ट करें कि संस्कारा कितने हैं तथा उनके नाम क्या है? 3
http://www.bsebstudy.com

(ख) आसीत् मिथिलायाम् वीरश्वरो नाम मन्त्री। स च स्वभावाद् दानशीलः कारूणिकश्च सर्वेभ्यो दुर्गतेभ्यो प्रत्यहं इच्छाभोजनं दापयति। $1 \times 3 = 3$

(क) यह गद्यांश किस पाठ से उद्धृत है?

(ख) वीरेश्वर कौन था?

(ग) 'दापयति' शब्द का अर्थ क्या है?

23. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दें। $4 \times 1 = 4$

(क) कति पुरूषाः सुप्ताः आसन्?

(ख) गृहस्थजीवनस्य एकः संस्कारः कः?

(ग) कर्मवीरः कः अस्ति?

(घ) पथिकः कुत्र निमग्नः अभवत्?

उत्तरम्

1. (क) (i) चम्पक वृक्ष शाखायां। (ii) सुबुद्धि नामा।
(iii) मृगो। (iv) अकस्मादागन्तुकेन।

(ख) (i) काकः मृगस्य मित्रम् अस्ति।
(ii) अकस्मादागन्तुकेन मैत्री सह नयुक्ता।

(ग) (i) पश्चात् + तमगते। (ii) सप्तमी
(iii) कत्वा (iv) काको

(घ) काकस्य मित्रः

2. प्रधानाध्यापक महोदयः वाराणसी, सविनयम, चतुष्टयात, सर्वथा, एतदर्शम प्रार्थये निवेदनं।

3. (i) पाटलिपुत्रम्

वयं पाटलिपुत्र नगरे निवसामः। इदं नगरं गंगायाः तटे अवस्थितम् अस्ति। अत्र पूर्व मगधस्य राजधानी आसीत्। इदानीं बिहारस्य राजधानी अस्ति। अत्र एकं गोलगृहं दर्शनीयम् अस्ति। पटनाः विश्वविद्यालयः एक प्रसिद्धः विश्वविद्यालयः अस्ति हरमन्दिरम् आदि दर्शनीयम् अस्ति।

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

(ii) आदर्शग्रामः— देखें 2011(A) प्रथम पाली, प्रश्न संख्या-3(i) का उत्तर।
(iii) सरस्वती पूजा— देखें 2015(A) प्रथम पाली, प्रश्न संख्या-3(iii) का उत्तर।
(iv) होलिकोत्सव— देखें 2013(A) प्रश्न संख्या-3(iii) का उत्तर।

4. (क) स्वागतम् (ख) चे + अनम्
(ग) ए (घ) निश्चय/उज्ज्वल

5. (क) तृतीया (ख) पंचमी
(ग) (iii)

6. (क) (iv), (ख) (ii)

7. (क) सम्, (ख) (i)

8. (क) (i), (ख) (iv)

9. (क) (i), (ख) (ii)

10. (क) (ii), (ख) इच्छन्

11. (क) निर्मक्षिकानाम् अभावः (ख) दुखितः
(ग) द्विगु समास (घ) श्री राम, लम्बोदर

12. (क) अच्छा लगना पसंद करना आदि में चतुर्थी विभक्ति होती है।
जैसे—राम को आम अच्छा लगता है।
रामाय आम्रं रोचते।
(ख) तृतीया विभक्ति है, अपवर्गे तृतीया।

13. (क) राजा ब्रह्मणाय गौ ददाति।
(ख) रामः एकेन नयनेन काणा अस्ति।
(ग) राम स्वभावेन सज्जन।
(घ) भगवान विना सुखं न अस्ति।
(ङ) मूर्खः अध्ययनात् विमरति।
(च) सीता रामस्य पत्नी आसीत्।
(छ) पाटलीपुत्रस्य गोलगृहं प्रसिद्धं अस्ति।
(ज) पाटलिपुत्रस्य संग्रहालयः दर्शनीय अस्ति।
(झ) वयं व्याकरणं पठेम।
(ञ) राम लक्ष्मणेव सीतया सह वनं अगच्छत्।

14. (क) मुगलवंश में नगर की समृद्धि हुई।
(ख) आलसियों के सुख देखकर धूर्त आलसी भी भोजन ग्रहण करने लगे।
(ग) वैदिक युग के मंत्र देने वाले केवल ऋषभः ही नहीं ऋषिका भी है।
(घ) भारतीय जीवन दर्शन के महत्वपूर्ण उत्पादन संस्कार है।

15. (क) काव्यमीमांसा नामकं ग्रंथं राजशेखरः अलिखतत्।
(ख) विद्यापति आलस्य कथाया रचनाकारः।
(ग) जन्मत पूर्व त्रयः संस्काराः सन्ति।
(घ) शक्र ब्राह्मण रूपेन प्रविशप्ति।

16. (क) विद्यापति लोकप्रिय मैथिल कवि थे, इन्होंने संस्कृत ग्रंथ की रचना की। अलस कथा में आलसी के दोषनिरूपण प्रसंग में व्यंग्यात्मक कहानी प्रस्तुत की गई है। मिथिला में एक वीरेश्वर नाम का मंत्री था जो स्वभाव से दानी और दयावान था। वह सभी संकटग्रस्तों और अनाथों को प्रतिदिन इच्छानुरूप भोजन देता था। वे आलसी लोगों को भी अन्न-वस्त्र देता था, क्योंकि

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

अकर्मण्यों में आलसी को प्रथम माना जाता है जो उदरपूर्ति के लिए भी कुछ करने में अक्षम होता है।

17. महाभारत युद्ध में कुन्तीपुत्र कर्ण कौरव के पक्ष से युद्ध करते हैं। कर्ण बहुत दानवीर था। कर्ण के शरीर में स्थित कवच कुण्डल से वह रक्षित था। जब तक कवच और कुण्डल कर्ण के शरीर में है तब तक कर्ण को कोई भी मार नहीं सकता है। अर्जुन की सहायता के लिए इन्द्र छलपूर्वक दानवीर कर्ण के शरीर से कवच और कुण्डल दान में ले लेते हैं। कर्ण खुशीपूर्वक अपने शरीर में स्थित कवच और कुण्डल को इन्द्र को दे देता है। कर्ण इस बात को जानता था कि कवच और कुण्डल देने से मेरा जान चला जायेगा लेकिन फिर भी उसने दान में दे दिया इससे यह स्पष्ट है कि कर्ण से बढ़कर दानी राजा कोई नहीं था।

18. (क) जीवों के गूढ़ रहस्यों के जानने वाले सभी कर्मों के योग को जानने वाले मनुष्यों के उपायों को जानने वाले को पंडित कहते हैं।

(ख) हे सीते हंस सारस पक्षियों से सेवित अद्‌भुत तटों वाली इस मन्दाकिनी को देखो।

19. (क) हिरवयम पात्रम सव्यधर्माय प्राप्तये।

(ख) अस्मदीया भारतीय धारा विशालधारा।

(ग) सत्येन धर्म रक्ष्यते।

(घ) क्रोधं क्षमा हस्ति।

20. प्रस्तुत श्लोक हमारे पाठ्य पुस्तक पियूषम भाग-2 के आलस्य कथा पाठ से लिया गया है।

इसके रचनाकार विद्यापति है। इसके माध्यम से कवि हमें शिक्षा देना चाहते हैं कि पत्नी की गति पति से होती है, बच्चों की गति माँ से होती है और आलसियों की गति दयावान से होती है।

21. व्याघ्र पथिक कथा नीति कथा ग्रंथ 'हितोपदेश' के प्रथम भाग 'मित्रलाभ' से किया गया है। इसके लेखक नारायण पंडित है। इस कथा में एक लोभाविष्ट व्यक्ति की दुर्दशा का निरूपण किया गया है। आज के समाज में छल छद्‌म का वातावरण विद्यमान है जहाँ अल्प वस्तु के लोभ से आकृष्ट होकर लोग अपने प्राण और सम्मान से वंचित हो जाते हैं। इस कथा से हमें यह शिक्षा मिलती है कि मनुष्यों को लोभ में पड़ना नही चाहिए तथा वंचकों के चक्कर में पड़ना नहीं चाहिए।

22. (क) भारतीय संस्काराः पाठ के आधार पर संस्कार मुख्य रूप से पाँच प्रकार के होते हैं-

(i) जन्म से पूर्व संस्कार
(ii) शैशवावस्था संस्कार
(iii) शैक्षिक संस्कार
(iv) गृहस्थ संस्कार
(v) विवाह संस्कार

(ख) (क) यह गद्यांश अलस कथा पाठ से लिया गया है।

(ख) वीरेश्वर मंत्री था।

(ग) दया करना/वस्तु दिलाना।

23. (क) चत्वारः पुरुषाः सुप्ताः आसन।

(ख) विवाह संस्कारः गृहस्थ जीवनस्य एकः संस्कारः।

(ग) रामप्रवेश रामः कर्मवीर अस्ति।

(घ) पथिकः महापंके निमग्नः अभवत्।

●●●

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com